हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आन्दोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email Id: prakharpurvanchal@gmail.com

वाराणसी, चन्दौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, इलाहाबाद तथा गोरखपुर से प्रसारित

वर्ष ५ अंक ३२० पृष्ठ ४, मूल्य ३.००, आमंत्रण मूल्य २.०० २९ अप्रैल २०२१ दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

जर्जर मकान गिरने से एक ही परिवार के 5 लोगों की दबकर हुई दर्दनाक मौत

बिटिया के विवाह की चल रही थी तैयारी

प्रखर मिर्जापुर (असलम खान)। नगर के शहर कोतवाली क्षेत्र के छोटी गुदरी में आधी रात को एक जर्जर मकान धाराशायी हो गया । दो मंजिला छत के मलवे में दबकर एक ही परिवार के 5 लोग पति पत्नी,दो पुत्र और एक पुत्री की दर्दनाक मौत हो गई । पुलिस ने रेस्क्यु आपरेशन चलाया । जबतक लोगों को निकाला जाता उनका दम टूट चुका था । अथक प्रयास कर दबे लोगों को निकाला गया । पांचों की मौत हो चुकी थी । चार शव पहले निकाला गया जबकि अंत में परिवार के मुखिया का शव मिला । मौके पर पुलिस और फायर बिग्रेड के जवान राहत एवं बचाव कार्य में लगे रहे । घटना पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने दुख व्यक्त करते हुये बताया कि सुबह 4 बजे जैसे उन्हें पुलिस से जानकारी हुई, उन्होंने जेसीबी मशीन सहित अन्य आपातकालीन सहायता घटनास्थल की ओर भेज दी थी।जिलाधिकारी ने मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से दो –दो लाख देने की बात कही है । वाराणसी स्थित अपने ननिहाल में रहने वाली सबसे बड़ी बेटी सपना आज सुबह हादसे की जानकारी मिलने पर घर आने पर अपनों का शव देख बिलख पड़ी । बीती रात पूरा शहर रात के अंधेरे में सो रहा था । आधी रात को करीब 2 बजे छोटी गुदरी स्थित आशुतोष रंजन पुत्र शिवप्रसाद गुप्त के पुराने मकान का छत अचानक गिर गया । जिसमें किराये पर रह रहे एक ही परिवार के 5 लोग जिसमें परिवार का मुखिया उमाशंकर पुत्र भगवती प्रसाद उम्र 50 वर्ष जो कि घंटाघर पावर हाउस के समीप मोटर वाइंडिंग का काम करता था, उसकी पत्नी गुडिया उम्र 48 वर्ष और उसके तीन बच्चे शुभम उम्र 22 वर्ष, सौरभ उम्र 18 वर्ष तथा संध्या उम्र 20 वर्ष दब गए । जिसमें शुभम उम्र 22 का शव पहले निकाला मिला । इसके बाद सभी का शव बरामद कर लिया गया । अंत में परिवार के मुखिया का शव बरामद किया गया । मौके पर जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार, पुलिस अधीक्षक अजय कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी नगर, प्रभारी फायर स्टेशन, थाना प्रभारी कोतवाली शहर पुलिस बल के साथ मौजूद है। पांचों शव मिलने के बाद राहत एवं बचाव कार्य बंद कर दिया गया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि राहत एवं बचाव कार्य किया गया पर मलवे में दबे लोगों को बचाया नहीं जा सका । हादसा स्थल पर पहुंचे मौके जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने हादसे को दुरूखद बताया । कहा कि तीन पीढ़ी से यह लोग पुराने जर्जर मकान में किराए पर रह रहे थे । जिसका किराया 50 रुपए के लगभग था । भवन जर्जर होने के कारण हादसा हुआ । मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो – दो लाख रुपए दिया जाएगा । जर्जर मकान आधी रात को करीब उस वक्त गिरा जब परिवार के लोग सो रहे थे । आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग बाहर निकले और पुलिस को सूचना दी । पड़ोस में उमा के छोटे भाई का परिवार भी रहता है। मौके पहुंची पुलिस राहत कार्य में लगी है । हादसे के बाद एक एक कर निकलते परिवार के सदस्यों का शव देख परिजन बिलख पड़े । बिटिया के विवाह की चल रही थी तैयारी चार संतानों में सबसे बड़ी बिटिया सपना के शादी का सपना संजोकर महावीर का परिवार तैयारी में जुटा था । फरवरी माह में सगाई की रस्म अदायगी वाराणसी में ही किया गया था । नवम्बर में होने वाले विवाह को लेकर पूरा परिवार जुटा था । खरीददारी भी आरम्भ कर दी गई थी । किसे पता था कि दम्पति के भाग्य में अपनी बिटिया का कन्यादान लिखा ही नहीं है ।

हाई कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा– आप पर क्यों न चले आपराधिक अभियोग

प्रखर एजेंसी। यूपी पंचायत चुनाव में ड्यूटी पर तैनात 135 लोगों की मौत के मामले पर अब हाईकोर्ट ने बेहद सख्त रुख अख्तियार किया है। हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को आड़े हाथों लेते हुए नोटिस जारी किया और कहा है कि यूपी पंचायत इलेक्शन के दौरान सरकारी गाइडलाइंस का पालन क्यों नहीं किया गया। ऐसे में अब ड्यूटी कर रहे करीब 135 सरकारी कर्मचारियों की मौत की खबर है। हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग से जवाब है मांगा कि क्यों न उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए और आपराधिक अभियोग चलाया जाए। इसके अलावा कोर्ट ने बचे चुनाव और मतगणना में तुरंत कोरोना गाइडलाइंस का पालन सुनिश्चित कराने का आदेश भी सुनाया है। इसके अलावा अब आदेश की अवहेलना करने पर चुनाव करवा रहे अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। वहीं कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने के लिए सरकारी रवैये की भी हाईकोर्ट ने सख्त आलोचना की है। कोर्ट ने कहा कि सरकार का प्लान फेल है। सरकार माय वे या नो वे (मेरा रास्ता या कोई रास्ता नहीं) का तरीका छोड़े और लोगों के सुझावों पर भी अमल करे। जिससे लोगों की जान बचाई जा सके। हाईकोर्ट ने कोरोना वायरस संक्रमण से ज्यादा संक्रमित नौ शहरों के लिए कई अहम सुझाव भी दिए हैं। साथ ही उन पर अमल करने और सचिव स्तर के अधिकारी के हलफनामे के साथ 3 मई तक अनुपालन रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने को कहा है। हाईकोर्ट ने प्रदेश के नौ शहरों, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, कानपुर नगर, आगरा, गोरखपुर, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर और झांसी के जिला जजों को आदेश दिया है कि सिविल जज सीनियर रैंक के न्यायिक अधिकारी को नोडल अधिकारी के रूप मे तैनात करें। ये शासन की ओर से बनाई गई कोरोना मरीजों की रिपोर्ट सप्ताह के अंत में महानिबंधक हाईकोर्ट को भेजें। मामले की अगली सुनवाई अब 3 मई को होगी।

सरकार के उपायों को बताया नाकाफी

यह आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश सिद्धार्थ वर्मा और अजित कुमार की खंडपीठ ने कोरोना मामले में कायम जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए दिया। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि कोरोना का भूत गली, सड़क पर दिन–रात मार्च कर रहा है। लोगों का जीवन भाग्य भरोसे है, कोरोना के भय से लोगों ने स्वयं को अपने घरों में लॉकडाउन कर लिया है। सड़कें रेगिस्तान की तरह सुनसान हैं। भारी संख्या मे लोग संक्रमित हो रहे हैं और जीवन बचाने के लिए बेड की तलाश में अस्पतालों के चक्कर लगा रहे हैं। अस्पताल मरीजों की जरूरत पूरी करने मे असमर्थ हैं। डॉक्टर, स्टाफ थक चुके है। जीवन रक्षक दवाएं, इंजेक्शन की मारामारी है। ऑक्सीजन, मांग और आपूर्ति के मानक पर खरी नहीं उतर रही। सरकार के उपाय नाकाफी हैं।

सरकार बनाए नया प्लान

हाईकोर्ट ने सचिव गृह तरूण गुप्ता द्वारा उठाए गए कदमों और बनाई योजना को मानने से साफ इनकार कर दिया और कुछ सुझाव देते हुए अमल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा है कि बडे शहरों में मरीजों की हेल्थ बुलेटिन जारी की जाए। जिससे मरीजों के परिजन का अस्पताल पर दबाव न बढे और अस्पताल की सफाई आदि आसानी से हो सके। कोर्ट ने निर्देश दिया कि जिला पोर्टल पर अस्पतालो में बेड की स्थिति की जानकारी दी जाए।

शेष पेज 3 पर.....

पुनर्मतदान के लिए पोलिंग पार्टी पहुची

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के प्रसादपुर में पुनर्मतदान के लिए पोलिंग पार्टी की रवानगी गंगापुर मंगारी स्थित नारायणी चौलेंजर कान्वेंट स्कूल से रवाना हुई। इस बाबत आरओ देवब्रत यादव ने बताया कि प्रसादपुर के बूथ नम्बर 310 व 311 पर मतपेटिका के साथ छेड़छाड़ होने के कारण चुनाव आयोग द्वारा पुनर्मतदान का आदेश दिया गया। उसी क्रम में 29 अप्रैल को दोनों बूथ पर मतदान होगा। जिसमें 1450 वोटर मतदान करेंगे। कड़ी सुरक्षा के बीच पोलिंग पार्टी के रवाना के समय पिंडरा कार्मिक प्रभारी बीएसए राकेश सिंह, बीईओ अशोक सिंह, बीडीओ वीके जायसवाल, एडीओ सहकारिता आशीष सिंह व फूलपुर इंस्पेक्टर मयफोर्स उपस्थित रहे। वही मतदान केंद्र पर भी इस बार अतिरिक्त फोर्स की तैनाती की गई है। पोलिंग पार्टी अपने मतदान केंद्र पर पहुँच भी गई।

डी–9 गैंग का सरगना लालू यादव मुठभेड़ में ढेर

प्रखर डेस्क। मऊ ही नही पूर्वांचल में कभी अपराध की दुनिया के बेताज बादशाह रहे धर्मेंद्र सिंह के गैंग को पुलिस ने डी–09 नाम दिया था। धर्मेंद्र के एनकाउंटर में मारे जाने के बाद सुजीत सिंह बुढ़वा ने डी–9 की कमान संभाली। उसके भी पुलिस मुठभेड़ में ढेर होने के बाद विनोद यादव लालू ने गैंग को विस्तार ही नहीं दिया वरन उससे कई कदम आगे बढ़ गया था। पुलिस ने तब सुजीत बुढ़वा के गैंग डी–9 का नाम बदलकर आईआर–9 श्इंटर रेंजश लालू गैंग कर दिया था। फरार लालू यादव पर शिकंजा कसने को पुलिस ने एक लाख का इनाम भी घोषित कर दिया था

यूं मिला डी–9 नाम और गूंजती रही गोलियां

आजमगढ़ जिले के तरवां निवासी धर्मेंद्र सिंह ने इस सदी के प्रथम दशक के प्रारंभ के साथ ही आजमगढ़, मऊ एवं गोरखपुर में लूट, हत्या एवं रंगदारी की एक के बाद एक घटनाओं को अंजाम देने लगा तो पुलिस ने उस पर दो लाख का ईनाम रखा। वह किसी को भी नौ गोली मारता था। इसीलिए पुलिस ने उसकी गैंग का ही नाम डी–9 रख दिया था। 19 मई 2016 को गोरखपुर में एसटीएफ गोरखपुर के तत्कालीन प्रभारी विकास चन्द्र त्रिपाठी (वर्तमान में ए डी सी पी वाराणसी) की टीम ने उसे ढेर कर दिया था। उसके मारे जाने पर मऊ एवं आजमगढ़ के व्यवसायियों ने मिठाई बांट खुशी जताया था। उधर धर्मेंद्र के मारे जाने के बाद मऊ के चिरैयाकोट क्षेत्र के अल्देमऊ के सुजीत सिंह बुढ़वा ने गैंग की कमान संभाल ली। सुजीत सिंह बुढवा भी जरायम की दुनिया में कभी खौफ का पर्याय रहे धर्मेंद्र सिंह के नक्शेकदम पर चलने लगा। सुजीत सिंह बुढवा ने मऊ एवं आजमगढ़ सहित पूर्वांचल में में एक के बाद एक घटनाओं को अंजाम देना प्रारंभ किया। किसी तरह पुलिस के हत्थे चढ़ा बुढवा 11 अगस्त 2017 को रामपुर से मऊ न्यायालय में पेशी हेतु लाए जाने के दौरान आजमगढ़ के बुढ़नपुर में पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। उस समय उसके विरुद्ध कुल 39 मुकदमें पंजीकृत थे। 18 अगस्त 2017 को आजमगढ़ में सिधारी पुल के पास चेकिग के दौरान सुजीत सिंह बुढ़वा ने सिपाही को गोली मार दिया। पुलिस ने पीछा कर 14 किलोमीटर दूर गजहड़ा में उसे मार गिराया। इस मुठभेड़ में दरोगा अनूप शुक्ला(वर्तमान में सिगरा थाना प्रभारी वाराणसी) सहित कई अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हुए थे। इसके बाद जिले के सरायलखंसी थाना क्षेत्र के डोड़ापुर निवासी विनोद यादव लालू ने गैंग की कमान संभाली। गैंग की कमान संभालते ही लालू ने ताबड़तोड़ घटनाओ को अंजाम देकर पूरे पूर्वांचल में अपनी और अपने गिरोह की दहशत कायम कर ली थी और उसके विरुद्ध दर्ज 82 मुकदमे इसकी गवाही देते है। विनोद यादव लालू का आतंक आजमगढ़, मऊ, बलिया, गाजीपुर, जौनपुर, गोरखपुर, मिर्जापुर एवं भदोही जिलों में भी था। खैर हर पाप का एक ना एक दिन हिसाब होना ही होता है, आज मऊ पुलिस ने लालू को मुठभेड़ में मार गिराया और लालू की कहानी खत्म कर दी। गिरोह का विस्तार जोन तक होने के चलते पुलिस ने डी–9 गैंग को आईआर लालू गैंग नाम दे दिया था।

मतगणना स्थल पर ही होगी काउंटिंग एजेंटो की थर्मल स्कैनिंग और पल्स ऑक्सीमीटर से जाँच– डीएम

प्रखर जौनपुर। पंचायत चुनाव के मतगणना में काउंटिंग एजेंट बनाने के लिए अनिवार्य किए कोरोना टेस्ट के चलते सभी अस्पतालों पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी , टेस्ट करवाने के चक्कर में लोग सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियाँ उडाने लगे। इस विकराल समस्या को देखते हुए जिला प्रशासन ने मतगणना स्थल पर ही थर्मल स्कैनिंग और पल्स ऑक्सीमीटर से जाँच कराने का आदेश दिया है। प्रशासन सभी प्रत्यासियो , मतगणना अभिकर्ताओं को निर्देश दिया है कि सीएचसी और पीएचसी पर भीड़ न लगाए। मालूम हो कि अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामप्रकाश ने अवगत कराया है कि 27 अप्रैल को प्रेस नोट के माध्यम से मतगणना हेतु विभिन्न पदों के लिए सभी प्रत्याशी उनके निर्वाचन एजेंट एवं मतगणना अभिकर्ता को अपना कोविड–19 टेस्ट करने हेतु निर्देशित किया गया था । उन्होंने बताया है कि जनपद में कोविड–19 की स्थिति की नियंत्रित करने के दृष्टिगत सीएचसीध् पीएचसी पर अत्यधिक भीड़ को देखते हुए सभी प्रत्याशी उनके निर्वाचन एजेंट एवं मतगणना अभिकर्ता का मतगणना स्थल पर ही थर्मल स्कैनिंग और पल्स ऑक्सीमीटर से जांच कराई जाएगी।

चाकूबाजी में एक की मौत, दो गिरफ्तार , दरोगा सस्पेंड

प्रखर रेवती, बलिया। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का मतदान समाप्त होने के बाद सहतवार थाना क्षेत्र के ग्राम सभा छपिया अन्तर्गत दूबेछाप के मतदान केन्द्र पर एक पक्ष के लोगों द्वारा बिसौली निवासी डा. घनश्याम मिश्र पर चाकू से हमला बोलकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। आनन–फानन में डा. मिश्र का बलिया ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने वाराणसी रेफर कर दिया। उपचार के दौरान डा. मिश्र की मौत हो गयी। इसकी सूचना मिलते ही मंगलवार की सुबह विभिन्न गांवों के सैकड़ों लोग सहतवार थाने पहुंच गये हैं। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने दो मुख्य अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, कार्य में शिथिलता बरतने में हल्का दारोगा को एसपी डा. विपिन ताडा ने सस्पेंड कर दिया है।

चिलुआताल पुलिस ने 24 घंटे के अंदर हत्या अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

प्रखर गोरखपुर। दयाशंकर चौरसिया द्वारा 26 अप्रैल 2021 को थाना चिलुआताल पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 142ध्21 धारा 302,201,120ठ,34 भादवि वादी दयाशंकर चौरसिया पुत्र नंदलाल चौरसिया निवासी जंगल बहादुर अली शेख पुरवा थाना चिलुआताल गोरखपुर की सूचना पर पंजीकृत बाबत खुद के लड़के बलिराम चौरसिया उम्र 22 वर्ष की गांव के ही रहने वाले चंद्रिका चौरसिया देवेंद्र चौरसिया सुजीत चौरसिया महेंद्र चौरसिया विशाल चौरसिया विशारद चौरसिया सुरेंद्र चौरसिया अंशु चौरसिया व ऊषा चौरसिया निवासीगण जंगल बहादुर अली शेख पुरवा थाना चिलुआताल गोरखपुर के द्वारा हत्या कर शव बोरे में भरकर तालाब में फेंक देने के संबंध में पंजीकृत कराया गया था जिस संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार पी ने अपनी मातहतों को तत्काल घटना का खुलासा करने का निर्देश दिया पुलिस अधीक्षक उत्तरी मनोज कुमार अवस्थी के पर्यवेक्षण में चिलुआताल थाना प्रभारी जय नारायण शुक्ला के नेतृत्व में उपरोक्त पंजीकृत मुकदमा को गंभीरता से लेते हुए युद्ध स्तर पर अपने सभी सहयोगियों को लगाते हुए उपरोक्त सभी अभियुक्तों की तलाश करते हुये 24 घंटे के अंदर ही गिरफ्तार कर लिया अभियान में प्रमुख रूप से प्रभारी निरीक्षक चिलुआताल जय नारायण शुक्ल उपनिरीक्षक फर्टिलाइजर आशीष कुमार सिंह उपनिरीक्षक बरगदवा राजकुमार सिंह उप निरीक्षक मजन संजय सिंह आरक्षी

एल–2 हॉस्पिटल का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

प्रखर जौनपुर। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेहटी, जलालपुर में बने कोविड–19 एल–2 हॉस्पिटल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने हॉस्पिटल की साफ–सफाई, सेनिटाइजेशन की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया कि हॉस्पिटल में नियमित रूप से साफ – सफाई तथा सेनिटाइजेशन का कार्य किया जाए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेहटी में 12 पेसेंट भर्ती थे । उन्होंने चिकित्सको को भर्ती मरीजो का अच्छे से इलाज करने एवं खाने – पीने की गुणवत्ता पूर्ण व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अनुपम शुक्ला, मुख्य राजस्व अधिकारी राजकुमार द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राकेश कुमार, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज कुमार, डॉक्टर राजेश ,डॉ मनीष यादव एवं डॉ नवीन गुप्ता उपस्थित रहे।

आखिर पत्रकार कोरोना वारियर्स क्यों नही

पूरे देश में पत्रकारों की मौत कोरोना महामारी से हो रही है। पत्रकार प्रशासन के साथ साथ कदम से कदम मिलाकर लोगों के बीच लोगों को जागरूक करने के लिए कोरोना जैसे महामारी से लड़ने के लिए प्रशासन के हर संदेश को जग जाहिर करने के लिए दिन रात सड़कों पर घूमते हैं । अपने परिवारों, अपना बिना ख्याल किए की उनका क्या होगा। उसके बावजूद उनके लिए किसी प्रकार की व्यवस्था ना होना काफी शर्मनाक और दुख दायक है। यहां तक कि उन्हें कोरोना वैरियर्स भी ना समझना वाकई शर्मनाक है। मैं पूछना चाहता हूं पत्रकारों के एसोसिएशन से जो कहते हैं कि हम पत्रकार के हक की लड़ाई के लिए लड़ते हैं क्या उन्होंने कभी सरकार या स्थानीय प्रशासन से मांग की। क्या चौथा स्तंभ होने वाला पत्रकार जो स्थानीय प्रशासन या सरकार की हर एक निर्णय या यूं कहें तो सरकार और प्रशासन की हर एक बातों को जनता तक पहुंचाने का काम पत्रकार अपने पत्रकारिता के द्वारा करता है। चाहे जागरूक करना हो या किसी प्रकार की खबरों को विस्तार पूर्वक जनता के समक्ष रखना हो सब में पत्रकार की अहम भूमिका होती है। इसके बाद भी इन्हें कोरोना वैरियर्स न समझना और इनके लिए टिका न उपलब्ध कराना कहाँ तक जायज है। कभी किसी एसोसिएशन ने इसकी मांग क्यों नही की या यूँ कहे तो इसकी चर्चा भी कभी क्यों नही की । अगर सरकार और प्रशासन हम पत्रकारों के लिए सो गई तो क्या हमारे हक की लड़ाई लड़ने का प्रण लेने वाला संगठन भी सो गया है या वह अपने कार्यों को भूल गया है। संगठन में तो वरिष्ठ पत्रकार ही हैं क्या उनको नही पता कि किस तरह उनके साथी कार्य करते है। उसके बाद भी क्यों सोये हुए है या चुप्पी धारण किये हुए हैं। आज वैशाली जिला का पत्रकारिता जगत और समाज ने एक ऐसे व्यक्ति को खो दिया है जिन्होंने हमेशा समाज ले लिए कार्य किया है। आज इनकी मौत भी कोरोना ने ली है। इनके लिए कोई व्यवस्था नही हो पाई। उस व्यकि को जिन्होंने हमेशा मुस्कुराना सीखा और खुद ही नहीं दूसरों को भी मुस्कुरा देने का कार्य करने वाले वरिष्ठ पत्रकार और वैशाली जिला के प्रभात खबर समाचार पत्र के व्यूरो और बड़े भाई सुनील कुमार सिंह जो अपने जीवन को पत्रकारिता जगत के लिए समर्पित कर दिया। आज उनकी दुखदाई मौत झकझोड़ दी है। उनका अंतिम समय में सही से इलाज ना हो पाना भी काफी अशोभनीय है। मैं सरकार स्थानीय प्रशासन या फिर संगठन की बात ना करते हुए मैं बात करता हूं उन बड़े–बड़े मीडिया हब के मालिकों की। आखिर उनलोगों ने भी क्यों नही पत्रकारों के लिए सरकार से उनके लिए इस कोरोना काल मे कुछ मामूली व्यवस्था की मांग की। आखिर क्यों पत्रकारों के साथ ऐसे घटना घट रही है । मैं पत्रकारिता जगत का काफी छोटा सिपाही हूँ हमसे बड़े बड़े काफी योद्धा इस पत्रकारिता जगत में मौजूद हैं मैं उनसे और पत्रकारों के लिए लड़ने वाले संगठनों से निवेदन करता हूँ कि आगे आकर हमारे इस आवाज को या यूं कहें तो अपने हक की आवाज को आगे करने की कोशिश करेंगे।

नलिनी भारद्वाज
व्यूरो चीफ(वाणीश्री न्यूज)
व्यूरो वैशाली (जनमत की पुकार)
राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य(वेव जॉर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया)

कोरोना को मात दे निकले महापौर, जाना शहर का हाल

अति आवश्यक कार्य हो तभी निकले बाहर – महापौर

प्रखर गोरखपुर । महापौर सीताराम जायसवाल ने जानलेवा बन चुके कोरोना वायरस को मात देकर बुद्धवार को शहर का भ्रमण कर नगर निगम द्वारा किये जा रहे सेनेटाइजेसन व साफ सफाई का निरीक्षण किया। इस दौरान सही ढंग से मास्क न लगाने वाले लोगों को फटकार लगाते हुए सावधानी बरतने को कहा।

मालूम हो कि विगत दिनों महापौर ने कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद मिर्जापुर स्थित आवास पर होम कोरन्टीन कर स्वास्थ्य लाभ लिया। होम कोरन्टीन के बाद पुनः जांच करायी तो रिपोर्ट निगेटिव आया। महापौर ने कहा कि जहाँ तक सम्भव हो सके लोग अपने घरों पर ही रहें, बहुत आवश्यक कार्य पर ही बाहर निकले। कोविड प्रोटोकॉल का पालन कर हम जल्द ही कोरोना को समाप्त कर सकते हैं।

कोरोना महामारी का सामना करने हेतु समाज का मनोबल बढाने के लिए हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा सफल आयोजन !

उत्तरप्रदेश एवं बिहार में संकट मोचन श्री हनुमानजी की जयंती निमित्त भक्ति भाव बढानेवाले विविध ऑनलाइन उपक्रम !

प्रखर पटना। संपूर्ण देश इस समय कोरोना के संक्रमण से पीडित है । ऐसे समय में इस संकट का सामना करने हेतु समाज का मनोबल बढे, उनकी चिंता कम हो तथा उनमें भाव–भक्ति जागृत हो, इस उद्देश्य से हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा उत्तरप्रदेश तथा बिहार में विविध ऑनलाइन उपक्रम चलाए गए । इन उपक्रमों में सभी संकटों का निवारण करनेवाले श्री हनुमानजी के पूजन का शास्त्र, उनके नामजप का महत्व, साथ ही शनि की साढेसाती के निवारण हेतु हनुमानजी की किस प्रकार पूजा करें, इत्यादि के विषय में बताया गया । इन ऑनलाइन काग्रकमों में सम्मिलित श्रद्धालुओं ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से जो जानकारी मिली इससे हमारी ईश्वर पर श्रद्धा बढी । मन स्थिर एवं सकारात्मक हुआ । हनुमान जयंती के दिन हनुमान जी का तत्व 1000 गुना अधिक कार्यरत होता है, इस हेतु से समिति द्वारा आयोजित किए गए सामूहिक नामजप में भी श्रद्धालुओं ने बढ–चढकर हिस्सा लिया । इस प्रकार के उपक्रमों का आगे भी आयोजन होता रहे, ऐसे अनेकों ने इच्छा व्यक्त की । समिति के समन्वयक श्री. विश्वनाथ कुलकर्णी जी ने बताया कि इन उपक्रमों का आयोजन केवल प्रभु श्री हनुमानजी की कृपा से ही हो पाया, हम आगे भी इस प्रकार के उपक्रम का आयोजन करते रहेंगे ।

उचित मद में खर्च !

बंद हो विज्ञापन ।
सुविधाओं पर ध्यान ।।
राजनीति ना करना ।
जा रही है जान ।।
पैसे का अब पूर्ण रूप ।
हो वाजिब उपयोग ।।
हो त्वरित उपचार ।
खड़ा सर पर रोग ।।
मामला विनाशकारी ।
हो जाओ गंभीर ।।
दूसरे पर लादकर ।
ना चलाओ तीर ।।
उचित मद में खर्च ।
फूंक–फूंक कर पांव ।।
देखें खुद का काम ।
ठीक नहीं ये कांव ।।

कृष्णेन्द्र राय

दरअसल लोगों की संवेदनाएं मर चुकी हैं ,उसे जगाना जरुरी है

राजनैतिक आरोप–प्रत्यारोप एक ऐसा ओछा हथकंडा है, जिसके सहारे स्याह को सफेद और सफेद को स्याह कर देने का कुचक्र बेहद चालाकी और मक्कारी से हर समय चलाया जाता है। नेता और दल न तो समय देखते हैं, न मौका, उन्हें अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचा दिखाने में ही सुकून मिलता है। सियासी दोषारोपण की राजनीति की वजह से ही कई ऐसे राज नहीं खुल पाते हैं जिस पर से पर्दा उठने से कई गुनाहगार जेल की सलाखों के पीछे पहुंच सकते हैं। महामारी के दौर में भी यही सब देखने को मिल रहा है। इसी के चलते उन लोगों के ऊपर शिकंजा नहीं कसा जा पा रहा है जो जीवन रक्षक दवाओं, इंजेक्शन, उपकरणों और ऑक्सीजन की कालाबाजारी में लगे हैं। झूठ का सहारा लेकर कोरोना पीड़ितों को मौत के मुंह में ढकेलने की साजिश रचते हैं। एक–एक मरीज से लाखों रुपए के बिलों की वसूली करने वाले इन फाइव स्टार अस्पतालों की आमदनी दिन दूनी रात चौगनी बढ़ती है। अरबों रुपए की इनकी प्रॉपर्टी होती है, वेतन के नाम पर करोड़ों रुपए प्रतिमाह लेते हैं, लेकिन अपने यहां 60–70 लाख रुपए की मामूली लागत से ऑक्सीजन प्लांट लगाने की इन्होंने न जानें क्यों कभी कोशिश नहीं की। कल कांग्रेस की सरकार थी, आज मोदी सरकार है, कल कोई और सरकार होगी, जब भी इस तरह की समस्याए आएंगी तो विपक्षी दल इन बातों को अनदेखा करके सत्तारुढ़ दल को कोसना–काटना शुरू कर देते हैं, जिसके चलते तमाम गुनाहागार बच निकलते हैं। आज जो प्राइवेट अस्पताल वाले ऑक्सीजन की कमी का रोना पीटना मचाए हुए हैं, उन्हें क्या इस बात का अहसास नहीं था कि कोरोना की दूसरी लहर में ऑक्सीजन की कमी एक बड़ा फैक्टर होगा। फिर भी इन्होंने इसके लिए कोई कदम नहीं उठाया। आखिर अस्पताल वालों से अधिक सटीक जानकारी किसके पास होगी, फिर भी यह लोग हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे और अब ऑक्सीजन की कमी पर ड्रामेबाजी कर रहे हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। निजी अस्पताल मालिकों द्वारा अपने यहां ऑक्सीजन प्लांट नहीं लगाए जाने की वजह भी है। इनके लिए वेंटीलेटर, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड आदि मशीनें आदि सुविधाएं तो मोटी कमाई का जरिया होती हैं, लेकिन ऑक्सीजन प्लांट लगाने से भला क्या कमाई होगी। इसीलिए ऑक्सीजन प्लांट लगाना निजी अस्पताल मालिकों की प्राथमिकता में रहा ही नहीं दूसरी तरफ सरकार ने भी कोई ऐसे सख्त कायदे–कानून नहीं बनाए हैं जिसके चलते निजी अस्पतालों की मनमर्जी पर शिकंजा कसा जा सके। इनकी कोई जवाबदेही नहीं हैं। इसीलिए तो कहीं अस्पताल में मरीज को भर्ती नहीं किया जा रहा है तो कहीं मरीज के मर जाने के बाद भी उसके परिवार वालों से मोटी कमाई का रास्ता खुला रखा जाता है। यहां तक कि मरे हुए शख्स के लिए अस्पताल वाले परिवार से जूस और अन्य चीजें मंगाते रहते हैं। इन्हीं तमाम वजहों से लगता है कि निजी अस्पताल के मालिक महामारी का भी फायदा उठाने में लगे हैं। दरअसल लोगों की संवेदनाएं मर चुकी हैं। सांसें टूटने से सांसें छीन लेने की कोशिश की जा रही है। लोग अपने परिवार की सांसों के लिए गिड़गिड़ा रहे हैं लेकिन आक्सीजन का सिलैंडर नहीं मिल रहा। मिल रहा है तो उसके दाम दोगुना या तीन गुना मांगे जा रहे हैं। सांसों के अभाव में लोग अपने परिजनों को अपनी आंखों के सामने दम तोड़ता देख रहे हैं। आक्सीजन से लेकर इमान तक बिक रहा है। दवाइयों की दुकान पर लगी लम्बी कतारें लगी हुई हैं। बुखार की दवाइयां नदारद हैं। मल्टी विटामिन की गोलियां नदारद हैं नेबुलाइजर तक ब्लैक में मिल रहा है। रेमडेसिविर इंजैक्शन की किल्लत पूरे देश में है। आक्सीजन के साथ–साथ ब्लैकमेलिंग उन रेमडेसिविर इंजेक्शनों की भी है जिसकी उपयोगिता के बारे में खुद डाक्टरों में भी मतभेद हैं लेकिन एक हवा चल गई है कि रेमडेसिवर ही रामबाण है। लिहाजा अस्पतालों से चुराकर , गायब करवाकर रेमडेसिविर इंजेक्शनों की जमकर कालाबाजारी की जा रही है। हर इंजेक्शन पर मौत का बेशर्म सौदा किया जा रहा है। बेबस लोग परिजन की जान बचाने के लिए मुंहमांगा पैसा दे रहे हैं, फिर भी मरीज शायद ही बच रहा है। दूसरी तरफ मुर्दे के बाकी बचे इंजेक्शनों पर भी दुष्टात्माएं कमाई कर रही हैं। आश्चर्य नहीं कि रेमडेसिविर जैसा हाल वैक्सीनों का भी हो, क्योंकि जरूरत के मुताबिक वैक्सीन का उत्पादन अभी नहीं है। विदेश से आयात करने या भारत में ही उनके पर्याप्त उत्पादन में वक्त लगेना। यूं सरकार ने वैक्सीन निर्माता कंपिनयों को 4500 करोड़ रुपए दे भी दिए हैं लेकिन वैक्सीन की मांग में एकदम उछाल आने से कालाबाजारियों की दिवाली नहीं मनेगी, इसकी गारंटी देने की स्थिति में कोई नहीं है, क्योंकि मांग के अनुपात में रातोंरात उत्पादन बढ़ाने का चमत्कार असंभव है। हकीकत यह है कि देश के कई राज्यों में पूरा मेडिकल सिस्टम ध्वस्त होने की कगार पर है, क्योंकि पूरे चिकित्सा तंत्र पर इतना अधिक दबाव है कि उसके झेलने की क्षमता भी खत्म सी हो गई है।सरकारें दौड़ रही हैं। उच्च स्तर पर आक्सीजन के लिए काम किया जा रहा है। विदेशों से कंटेनर मंगाए जा रहे हैं। सांसें बचाने के लिए महामिशन पर रेलवे से लेकर वायुसेना तक जुट चुकी है। अस्पतालों में आक्सीजन की कमी को दूर करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उम्मीद है कि कुछ दिनों में आक्सीजन का संकट हल हो जाएगा। इस संकट की घड़ी में कई लोग व्यक्तिगत स्तर पर और अनेक सामाजिक समस्याएं अपना माननीय कर्तव्य मान कर जरूरी सुविधाएं जुटाने और मुहैया कराने की कोशिश कर रही हैं लेकिन जरूरत की तुलना में यह राहत बहुत थोड़ी है। लोगों ने आक्सीजन सिलैंडर और बिना जरूरत के दवाइयां स्टाक कर ली हैं। इंदौर में तो रेडमेसिविर की शीशी में कुछ भी भरकर 40–40 हजार में बेचने की घटना खौफ पैदा करने वाली है लेकिन मदद हो और उसे भुनाया न जाए तो राजनेता ही क्या? चाहे शव वाहन हो या एम्बुलैंस, दवाइयां हों या पीपीई किट हो या कफन, कुछ भी देने या मुहैया कराने पर नेताओं के नाम का ठप्पा और फोटो उसी तरह प्रचारित की और करवाई जा रही है, मानो कोविड के कारण स्वर्गवासी होने वाले अपने साथ उसे ले जाकर परलोक में नेताओं के पक्ष में प्रचार करने वाले हैं।सेवा को घटिया आत्मप्रचार का बूस्टर देने की यह सोच भी हैवानियत का ही दूसरा पहलू है। प्रचार तो कभी भी हो सकता है, 'यह हमने किया', इसका ढोल कभी भी पीटा जा सकता है, मगर कम से कम श्मशान घाटों को तो राजनीतिक वायरस से मुक्त रखें। वहां जाने वाला हर शख्स कोविड वायरस से पहले ही परेशान है। एक डारावनी खबर और है। कोविड वायरस का तीसरा म्यूटेंट भी भारत में पाया गया है। यह कितना खतरनाक होगा, इसका अभी अंदाजा भी ठीक से नहीं लगाया जा सकता। कइयों के मन में सवाल होगा कि कोविड का दूसरा म्यूटेंट पहले से ज्यादा खतरनाक क्यों है, तो इसकी वजह यह है कि यह वायरस अपने में आनुवंशिक बदलाव तेजी से कर रहा है। यानी वैज्ञानिक एक का तोड़ खोज पाते हैं तो वह दूसरा रूप धर कर संहार शुरू कर देता है। परिणामस्वरूप शरीर में दुश्मन वायरस को नियंत्रित करने वाली रक्षक एंटीबॉडीज भी चकमा खा जाती है। निकृष्टता के नए मानदंड हमें देखने को मिलेंगे, यह सोचना भी मुश्किल था। शिवपुरी के एक अस्पताल में वार्ड ब्वाय द्वारा पैसे लेकर एक का आक्सीजन मास्क हटाकर दूसरे को लगा देना शायद हैवानों को भी लजा देगा। चंद सांसों के लिए लोग गिड़गिड़ा

कोरोना काल में रोहनिया विधायक ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

बीमारी से लेकर अन्य समस्याओ के बाबत पीड़ित कर सकते सम्पर्क तत्काल मिलेगी मदद

प्रखर वाराणसी । अगर घर में कोई बीमार और लाचार हो तो मदद की जरूरत पड़ती है। कोरोना महामारी में बीमार पड़ रहे लोगों के लिए सुरेन्द्र नारायण सिंह रोहनिया विधायक ने (9415626452,8887151187 सहित वाट्सएप नम्बर 8009329423 हेल्पलाइन नम्बर जारी किया है।कोरोना काल मे रोहनिया विधायक द्वारा जारी तीनो हेल्पलाइन नम्बर जरूरतमंदों के लिए वरदान साबित होगी क्षेत्रीय पीड़ित लोग तत्काल इन नम्बर पर सम्पर्क कर आक्सीजन,बेड, जाँच,दवा तथा एम्बुलेंस सहित समस्त सेवाओं का लाभ आसानी से पा सकेंगे। कॉल करने वाले पीड़ितों का कुछ समय बाद लिया जायेगा रिस्पांस रोहनिया विधायक ने बताया कि कार्यकर्ता कॉल करने वालों का कुछ समय बाद रिस्पांस भी लेंगे अगर कहि से भी किसी के द्वारा लापरवाही की बात सामने आई तो उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।जारी हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करते ही कॉल करने वाले का पूरा नाम व पता पूछा जायेगा उसके बाद उनकी समस्या को धैर्य पूर्वक सुनकर निदान कराना प्रथम प्राथमिकता होगी।

चुनाव कार्मिकों की ड्यूटी कितनी सुरक्षित ?

भीषण महामारी जिसमें लोग मर रहे ,दूसरी लहर की चपेट इतनी भयावह है कि अस्पतालों से लेकर श्मशान तक केवल मृतकों की लाईन । कुछ लोग जो निरीह दिल दिमाग वाले है अब भी कालाबाजारी करते और लोगो को लूटने से बाज नहीं आ रहे । तेजी से बढ़ता संक्रमण और ऐसे माहौल में जबरन चुनाव और मतगणना में ड्यूटी लगाना कितना जायज है । जब सुप्रीम कोर्ट ने खुद महामारी को संज्ञान में लेते हुए राज्य सरकार को फटकार लगाई है तो ऐसे में चालीस साल के ऊपर वाले मतदान कर्मियों की मतगणना में ड्यूटी लगाना कितना सही है । मै पुनः सरकार से इस आर्टिकल के जरिए याचना करूंगा कि ऐसे इन सरकारी कर्मचारियों की बलि मत दीजिए । कोई भाजपा का हर प्रकार से समर्थन कर रहा, तो कोई भाजपा के किसी भी कदम का विरोध करना है, इसलिए विरोध कर रहा। कुछ लोग तार्किक हैं, जो सही और गलत को देखते हुए निष्पक्ष रह रहे। इन तार्किक लोगों का भी भाजपा समर्थक और आलोचक अपने–अपने तरीके से विवेचना कर रहे। इन्हीं में कुछ लोग जो कोरोना वारियर हैं जैसे स्वास्थ्यकर्मी, पुलिसकर्मी, सरकारी कर्मी व स्वयंसेवी इत्यादि लोग लगे हुए हैं जी–जान से दायित्वों को निभाने में। इसी क्रम में दायित्व की मजबूरी में कई लोग कोरोना के शिकार भी हुए हैं। वैसे दूसरे अधिसंख्य लोग लापरवाही के कारण ही कोरोना के शिकार हुए हैं। या तो खुद की लापरवाही या फिर दूसरों की लापरवाही के कारण। बिन मतलब के घूम रहे बाहर। क्या जनप्रतिनिधि, क्या जनता। सब वही हैं। अधिसंख्य राजनीतिक दलों ने भी कोरोना को मजाक ही समझा था। वरना कोरोना के दौर में बिहार विधानसभा चुनाव कराते वक्त भाजपा का विरोधी खेमा चाह रहा था कि चुनाव हो क्योंकि उस वक्त लग रहा था कि सत्ता में परिवर्तन होगा। अब बंगाल विधानसभा चुनाव में जहाँ केंद्र को लग रहा कि भाजपा चुनाव जीत लेगी तो वह जी–जान लगा बैठी, तो यहाँ भाजपा विरोधी चुनाव के विरोध में आ गये। मतलब सब अपने हित के हिसाब से गोटी खेल रहे कोरोना से कोई मतलब न किसी को खास! बंगाल चुनावों में यदि आप रैलियों में जमा भीड़ को लेकर मोदी–ममता व अन्य दलों को कोसेंगे तो तुरन्त चुनाव में रैली समर्थक आपको बताएंगे कि महाराष्ट्र, दिल्ली में तो चुनाव न था, फिर हालात क्यों बिगड़े वहाँ! तो मोदी के आलोचक आपको बताएंगे कि मोदी महा निकम्मा है, कुछ नहीं किया। दूसरी तरफ मोदी समर्थक आपको बताएंगे कि क्या–क्या अच्छा किया। दोनों के पास अपने–अपने समर्थन में लम्बी लिस्ट मिल जाएगी। मानेगा कोई न दूसरे की बाता। यह सत्य है कि सरकारी तंत्र पूरी तरह सफल न हो सका, तो यह भी कहना कि सरकारी तंत्र कुछ न कर रहा तो यह भी बेईमानी भरा आकलन होगा। होशियारी तो सबकी समझ आ रही फिर चाहे वह समर्थक हों या आलोचक। इनमें कोई मौका न छोड़ रहा चौका मारने का! अब दिल्ली में केजरीवाल जी चिल्ला रहे ऑक्सीजन नहीं है, ऑक्सीजन नहीं है। दिल्ली हाई कोर्ट में पता चला कि तीन दिन पहले ही केंद्र सरकार ने पर्याप्त ऑक्सीजन भिजवा दिया था, पर धूर्त केजरीवाल जी के पास विज्ञापनों में लुटाने के लिए पैसे तो हैं, पर ऑक्सीजन मंगाने के लिए गाड़ियां नहीं हैं। काहे के आईआईटियन और आईआरएस हो भाई! ऐसा है कि बंगाल चुनावों के दौरान गृहमंत्री अमित शाह कई मौकों पर बिन मास्क के दिखे तो यह कोई अच्छा संदेश न दिया उन्होंने आम पब्लिक को। किसी भाजपाई को बुरा लगे तो लगे। वहीं भीड़ तो सभी ने जुटाई रैलियों में चाहे बंगाल हो या कहीं और, अकेले ही भाजपा को कोई दोष दे रहा तो वह पक्का काइयां आदमी है। मोमता बानो जो फर्जी का प्लास्टर चढ़ा कर व्हील चेयर पर आगे–आगे चल रही व पीछे हुजूम, वह नहीं दिख रहा क्या! बाकी राहुल गांधी की चर्चा करना बेकार है। काँग्रेसियों को चाहिए कि मुझे अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लें, दो साल के भीतर काँग्रेस का कायाकल्प कर दूँगा। अब इसे आपको मेरा फेंकना लगे तो आप लपेटने को स्वतंत्र हैं! इस महामारी में भी कई धूर्त लालची अपने लालच से बाज न आ रहे। जरूरी दवाइयों के लिए लाखों माँग रहे, जबकि यह वक्त मानवता दिखाने का था। तो वहीं कुछ रात–दिन निःस्वार्थ भाव से लगे हुए हैं। मैंने बचपन से भ्रष्टाचार को झेला है। सरकारी तंत्र कभी भी ऐसे ही काम करता है कि यदि कोई ईमानदार सरकारी अधिकारीधर्मचारी हो भी, तो वह भी लाचार हो जाता है। यही कारण है कि जनता लँठों को अपना जन–प्रतिनिधि चुन लेती है, जिनके डर से ये सरकारी तंत्र टनाटन काम करने लगता है। लुंजपुंज नेताओं की कोई न सुनता! यही कारण है कि मैंने अपने जीवनकाल में अपना रुख अधिकाँश मौकों पर कड़ा रखा। इसका जहाँ मुझे कई बार फायदा भी हुआ जब भ्रष्ट आचरण वाले सरकारी कर्मी डर कर चुपचाप काम कर देते हैं, तो कई बार नुकसान भी जब इस तेवर के कारण कुछ जरूरत से ज्यादा ही फर्जी ग्रेविटी वाले अधिकारी अपनी ऐंठन में मुझसे दूर होते गये। इनकी लिस्ट बनाकर रखा हुआ है वैसे!

पंकज कुमार मिश्रा
एडिटोरियल कॉलमिस्ट व शिक्षक केराकत जौनपुर

अनोखे कोरोना वॉरियर! 24 घंटे तक बिना खाए ट्रेन पर रहे सवार, अस्ताल ऑक्सीजन पहुंचाने के बाद आई मुस्कान

लगातार 24 घंटे चलने के बाद ट्रेन भोपाल पहुंची। इस समय अवधि में ऑक्सजीन टैंकर्स के चालक राजू और राजेंद्र ने सिर्फ कुछ बिस्किट्स और पानी के सहारे रास्ता गुजारा

प्रखर भोपाल। देश के कई राज्य कोरोना की दूसरी लहर के बीच ऑक्सीजन की किल्लत से भी जूझ रहे हैं, जिस वजह से हालात और भी विकट हो गए हैं। जिन राज्यों में ऑक्सीजन की जरूरत है, वहां पर रेलवे ऑक्सीजन एक्सप्रेस के जरिए जल्दी से जल्दी ऑक्सीजन पहुंचाने की कोशिश कर रही है। रेलवे की इस मुहिम में अनोखे कोरोना वॉरियर्स भी अपना सहयोग कर रहे हैं। दरअसल हम बात कर रहे हैं ऑक्सीजन टैंकर्स के ड्राइवर्स की, जो ट्रेन से टैंकर के उतरने के बाद जल्द से जल्द ऑक्सीजन अस्पताल तक पहुंचाने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। ऐसे ही दो टैंकर चालकों से इंडिया टीवी ने बात की भोपाल में। दरअसल बोकारो से कल चली ऑक्सीजन एक्सप्रेस और सुबह भोपाल पहुंची। इस ट्रेन पर 6 टैंकर थे, जिनमें से दो भोपाल और एक जबलपुर और तीन सागर के लिए थे। रेलवे ने इस दौरान ट्रेन को ग्रीन कॉरिडोर बना कर दौड़ाया। लगातार 24 घंटे चलने के बाद ट्रेन भोपाल पहुंची। इस समय अवधि में ऑक्सजीन टैंकर्स के चालक राजू और राजेंद्र ने सिर्फ कुछ बिस्किट्स और पानी के सहारे रास्ता गुजारा। जैसे ही ट्रेन भोपाल पहुंची, ये दोनों तुरंत टैंकर्स लेकर उन अस्पतालों की तरफ रवाना हुए जहां ऑक्सीजन पहुंचाई जानी थी। टैंकर चालक राजू और राजेंद्र ने इंडिया टीवी से बातचीत में बताया उन्हें बहुत खुशी है कि वो जिस काम के लिए निकले थे वह पूरे हुआ और उनके द्वारा लाए गए टैंकर से लोगों की जान बचेगी। आपको बता दें कि 65 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली ऑक्सीजन एक्सप्रेस 19 अप्रैल से शुरू हुई है। बोकारो से भोपाल तक के तकरीबन 1100 किलोमीटर के सफर में ट्रेन सिर्फ 1 जगह रुकी, इसे ग्रीन कॉरिडोर बनाकर भोपाल लाया गया। आपको बता दें कि मध्यप्रदेश में एक्टिव मरीजों का आंकड़ा 94000 पार कर जा चुका है जिनमें से 25000 से ज्यादा मरीजों को ऑक्सीजन की बेहद जरूरत है। लगातार बढ़ती किल्लत के चलते हैं मध्यप्रदेश में ऑक्सीजन का बड़ा संकट खड़ा हो गया था लेकिन अब ऑक्सीजन एक्सप्रेस ने मध्य प्रदेश की सांसो पर पड़ा संकट दूर कर दिया है।

जिलाधिकारी ने एल–2 अस्पताल निरीक्षण कर कोविड–19 सम्बन्धी दिये आवश्यक दिशा निर्देश

एल–2 अस्पताल में बढ़ाये गये 25 अतिरिक्त बेड

प्रखार मीरजापुर। जिलाधिकारी श्री प्रवीण कुमार लक्षकार में आज मण्डलीय अस्पताल स्थित एल–2 अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने एल–2 अस्पताल के सामने स्थित नए भवन में अतिरिक्त 25 बेड बढ़ाए जाने एवं आक्सीजन पाइन लाइन के बारे में जानकारी ली साथ ही वहां पर ऑक्सीजन की उपलब्धता के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान निरीक्षण करते हुए सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि आज सायंकाल से अतिरिक्त 25 बेड के अस्पताल को चालू कर दिया जाए, जिससे मरीजों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी ना हो और सभी को सुगमता से बेड उपलब्ध होने के साथ ही साथ उन्हें उत्तम स्वास्थ प्रदान किया जा सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विधिवत निरीक्षण करने के साथ सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने की हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान अपर जिला अधिकारी यूपी सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पी0डी गुप्ता एवं सम्बन्धित चिकित्सक उपस्थित रहे।

चुनाव ड्यूटी में संक्रमित होकर दम तोड़ने वालों के आश्रितों को मिले सरकारी नौकरी और एक करोड़ मुआवजा – कैलाश पटेल

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। आम आदमी पार्टी के वाराणसी जिलाध्यक्ष ने बताया की मैं आशा करता हूँ की कोरोना वैश्विक महामारी में आप और आपका परिवार सकुशल होगा स उत्तर प्रदेश में अब तक सम्पन्न हुए पंचायत चुनाव के तीन चरणों से सम्बन्धित ड्यूटी करने वाले 135 शिक्षको , शिक्षामित्रो व अनुदेशको की कोरोना के कारण मृत्यु हो गई है ८ उत्तर प्रदेश में जिला पंचायत चुनाव का अंतिम मतदान 29 अप्रैल को सम्पन्न हो जायगा स पूर्व के 3 चरण मे जिला पंचायत चुनाव संपन्न करा रहे सरकारी कर्मचारियों की कोरोना से हुईं मृत्यु बेहद चिंता जनक व भयावह हैं आम आदमी पार्टी दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारजनों के साथ हैं । आम आदमी पार्टी वाराणसी उत्तर प्रदेश सरकार से यह मांग करती

कोरोना पर केंद्र की नई गाइडलाइन जारी

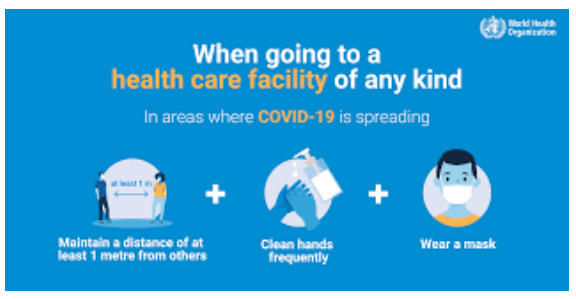

प्रखर एजेंसी। देश में कोरोना के केस दिन–ब–दिन बढ़ रहे हैं। बिगड़ते हालात को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्यों के लिए गाइडलाइंस जारी की हैं। इसमें कहा गया है कि अब राज्य सरकारों को लोगों पर सख्ती करनी होगी। ये भी बताया गया है कि कितने प्रतिशत कोरोना केस आने पर कितनी कड़ाई करनी है। केंद्र ने राज्यों से कहा है कि स्थानीय प्रशासन को ही तय करने दें कि कहां कंटेनमेंट जोन बनाना है और कहां इससे भी ज्यादा सख्ती करनी है। एडवाइजरी में लिखा है कि किसी इलाके का पॉजिटिविटी रेट लगातार एक सप्ताह तक 10 प्रतिशत आता है या कहीं अस्पतालों में 60 प्रतिशत बेड भर जाते हैं तो वहां 14 दिन की सख्त पाबंदियां लगाएं। राज्यों को जिलों में छोटे–छोटे कंटेनमेंट जोन बनाने की सलाह दी गई है। गृह मंत्रालय ने कहा है कि बड़े कंटेनमेंट जोन बनाने से बचना चाहिए। जरूरत पड़े तो पूरी जांच–पड़ताल के बाद ही यह कदम उठाएं। पहले पता कर लें कि कितनी बड़ी आबादी में संक्रमण फैला है और कितने इलाके को बंद किया जाना है। गृह मंत्रालय ने कहा कि सख्ती करने से पहले एक फ्रेमवर्क तैयार करें, ताकि उसका मकसद पूरा हो सके।

10 पॉइंट्स में समझिए केंद्र की राज्यों के लिए गाइडलाइन.

–कर्फ्यू का समय तय करने की छूट स्थानीय प्रशासन को दें। नाइट कर्फ्यू में जरूरी चीजों को छोड़कर सभी तरह की आवाजाही बंद हो।

–सामाजिक, राजनीतिक, खेल, मनोरंजन, शिक्षा, संस्कृति, धर्म और उत्सव से जुड़े भीड़ लगाने वाले आयोजनों पर रोक लगाएं।

–लोगों को आपस में मिलने–जुलने से रोककर ही इस वायरस को फैलने से रोका जा सकता है।

–शादियों में मेहमानों की संख्या 50 और अंतिम संस्कार में 20 तय कर दें।

–शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सिनेमा हॉल, रेस्टोरेंट–बार, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जिम, स्पा, स्वीमिंग पूल और धार्मिक स्थलों को बंद करें।

–पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर से जुड़ी जरूरी सेवाओं को ही चालू रखें।

–ट्रेन, मेट्रो, बस और कैब आधी क्षमता के साथ चलने की छूट दे सकते हैं।

–अंतरराज्यीय या राज्य के अंदर चलने वाले वाहनों पर पाबंदी ना लगाएं। जरूरी सामान से जुड़े ट्रांसपोर्ट वाहनों को बिल्कुल ना रोकें।

–आधे कर्मचारियों के साथ ऑफिस खोलने की छूट दे सकते हैं।

–फैक्ट्री और वैज्ञानिक रिसर्च से जुड़े संस्थानों को छूट दें, लेकिन वहां कोरोना से बचाव के नियमों का पालन हो। समय–समय पर कर्मचारियों का रेपिड एंटीजन टेस्ट हो।

52 वर्षीय महिला की कुएं में मिली लाश

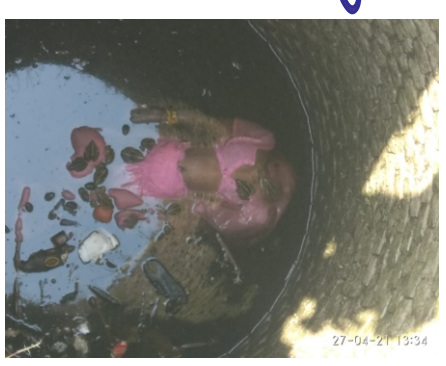

प्रखर पूर्वांचल बृजमनगंज न्यूज। बृजमनगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सभा मिश्रौलिया खास में आज दोपहर लगभग 2रू00 बजे एक कुएं से एक 52 वर्षीय महिला की लाश संदिग्ध परिस्थितियों में मिली इसमें हत्या की आशंका जताई जा रही है प्राप्त सूचना के आधार पर उक्त महिला चंद्रावती पत्नी इंद्रपत कल शाम से घर से बाहर निकली थी इसका आज सुबह तक कुछ पता नहीं चल पाया तभी दोपहर में कुछ बच्चों की नजर कुएं पर पड़ी बच्चों ने पानी में तैरती लाश देखकर शोर मचाया तब जाकर गांव वालों कूएं में झाककर देखा और चंद्रावती पत्नी इंद्रपतके रूप मे शव का शिनाख्त किया गया। गांव के लोगो को शक है कि महिला को मारकर कूए मे फेंक दिया गया है घटना की सूचना पाकर थानाध्यक्ष बृजमनगंज कमलेश प्रताप सिंह अपने हम राहियो के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए तथा शव को कुएं से निकालकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई में जुट गए तथा लाश को पोस्टमार्टम के लिए महाराजगंज भेज दिया गया और थाना अध्यक्ष कमलेश सिंह ने कहा कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले में जांच आगे बढ़ेगी तभी स्थिति स्पष्ट होगी। घटना से पूरे गांव में दहशत फैल गया है ।

सपा पार्षद दल नगर निगम हारून अंसारी ने विभिन्न क्षेत्रो में कराया सैनिटाइज

हारून अंसारी ने जनता से किया अपील कोविड–19 के गाइडलाइन का करे पालन करें,अति आवश्यक हो तभी घर से बाहर निकले

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। नगर निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा सेनेटाईज कैंट विधान के लल्लापुरा, हबीबपुरा, चक्रधारी स्कूल, एटीएम, मेडिकल स्टोर मुस्लिम इण्टर कालेज, सिटी प्राईड स्कुल, एक रात मस्जिद रोड, आदि स्थानों पर समाजवादी पार्टी मुख्य सचेतक सपा पार्षद दल नगर निगम वाराणसी हारून अंसारी के नेतृत्व में उक्त क्षेत्रों के सैनिटाइजेशन का कार्य कराया गया और यह अपील करते हुए हारुन अंसारी ने कहा कोविड–19 के गाइडलाइन का पालन करें, अति आवश्यक हो तभी घर से बाहर निकले, स्थिति बहुत दयनीय है, जिनको जिम्मेदारी जनता ने विधानसभा में भेज कर योजनाएं बनाने हॉस्पिटल बनाने जन सुविधाओं आम जन तक पहुंचाने के लिए निर्वाचित किया था । आज वह विधायक व कैबिनेट मंत्री आजकल सैनिटाइज करा रहे हैं, लोगों को आवश्यकता है मेडिकल सुविधाओं की गरीब व्यक्ति के इलाज की आवश्यकता है, पैसे के अभाव में किसी का इलाज ना रुक जाए, ऐसी योजनाओं और गाइडलाइन की आवश्यकता है, दवा की कालाबाजारी पर तो गाइडलाइन है, फिर भी कालाबाजारी नहीं रुक रही है ।

कोरोना से लड़ने में केंद्र और राज्य सरकार की इच्छशक्ति में कमी – शैलेन्द्र सिंह

सरकार आपदा में धन उगाही का अवसर तलाश रही, जो कि दुःखद और अफसोसनाक है – शैलेन्द्र सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बनारस समेत पूरे उत्तर प्रदेश में इस समय कोरोना महामारी की तीसरी लहर पूरी रफ्तार में है । इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि काशी में दो श्मशान स्थल तो पहले से ही थे, लेकिन फिर भी कोरोना में लगातार हो रही मौतों ने इन दोनों श्मशान भूमि को भी नाकाफी साबित कर दिया है । कोरोना की भयावहता का सबसे अधिक दंश हॉस्पिटल झेल रहे हैं। इसकी वजह है हॉस्पिटल्स में पर्याप्त सुविधाओं का न होना । अगर समय रहते केंद्र और राज्य सरकारें सजग हुई रहतीं तो शायद आज यह दिन न देखने को मिलता । बनारस में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा बनारस में पिछले दिनों डीआरडीओ के निर्देशन में हैंगर तकनीकी से बीएचयू के एमपी थियेटर मैदान में एक हजार बेड वाले कोविड हॉस्पिटल बनाने का जो निर्णय लिया गया वह देर से ही सही पे स्वागतयोग्य है, लेकिन यह बात एक आम बनारसी के समझ से परे है कि आखिर वह कौन सी मजबूरी थी कि केंद्र सरकार ने करोणों रूपये सिर्फ एक मामूली से टेंट के लिए खर्च कर दिया । वस्तुतः हैंगर तकनीकी से बन रहे कोविड हॉस्पिटल को ठेठ बनारसी शब्दों में सिर्फ एक टेंट ही कहा जा रहा है । बनारस के लोगों में इस बात की चर्चा जोरों पर है कि आखिर जब बीएचयू में ही हॉस्पिटल बनवाना ही था तो बीएचयू के पास कई ऐसी इमारतें, हॉस्टल और मल्टीपरपज हॉल पहले से ही उपलब्ध हैं जो टेंट से कहीं ज्यादे सुरक्षित, मजबूत और सुविधाजनक, आरामदायक और उससे कहीं ज्यादे कम खर्चीले साबित होते और साथ ही तुरंत शुरु करने की स्थिति में होते । जानकार यह भी बताते हैं कि बीएचयू में तो सिर्फ एक और एशिया का सबसे बड़ा और काफी मशहूर बिरला हॉस्टल, जिसमे हजार से भी ज्यादे सुव्यवस्थित, आरामदायक कमरे उपलब्ध हैं, को ही अगर टेक ऑफ कर लिया गया होता तो अभी कब का वह रनिंग पोजिशन में होता । यह तो सिर्फ एक हॉस्टल की बात है । बीएचयू में ऐसे अनगिनत हॉस्टल, सुपरस्पेशियेलिटी वाले बड़े भवन हैं जो फिलहाल खाली हैं और उनका प्रयोग इस कार्य के लिए बड़े आसानी से किया जा सकता था । कुछ जानकर यह भी मानते हैं कि आज सरकार की कार्यशक्ति और इच्छशक्ति में बड़ा फर्क दिखता है । सरकारें कहती कुछ हैं और करती कुछ हैं। अगर ऐसा न होता तो फिर हैंगर तकनीकी से हॉस्पिटल बनाने जैसे मूर्खतापूर्ण निर्णय और उसमें करोणों की कमीसनखोरी जैसे अवसर क्यों तलाशे जाते आखिर आपदा में अवसर इसे ही तो कहते हैं । वरिष्ठ कांग्रेसनेता एवं छावनी परिषद के उपाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह ने सरकार के इस कदम को तर्कसंगत न मानते हुए इसे भ्रष्टाचार और लूटखसोट का एक तरीका बताया जिससे कि आमजन को कोई विशेष लाभ नही मिलेगा । शैलेंद्र सिंह ने कहा कि अभी पिछले दिनों ही रक्षामंत्री राजनाथ सिंह जी ने कहा था कि बनारस के कैंटोनमेंट जोन में भी कोविड हॉस्पिटल साकार हो जाएगा । वहां भी कोविड मरीजों के लिए बेड तथा वैक्सीन आदि की व्यवस्था होगी,पर दुर्भाग्य की बात है कि अभी तक सरकार की घोषणाएं सिर्फ कागजों पर ही हैं जमीन पर कुछ भी नहीं । शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि उन्होंने इस आशय कि जानकारी राज्य सरकार, केंद्र सरकार और स्वास्थ्य महकमे को दी है पर अभी तक कोई सुध नहीं ली गयी अगर सरकार में कोरोना से लड़ने की और अपने नागरिक समाज के जीवन सुरक्षा की फिक्र होती तो वह तर्कसंगत और व्यवहारिक निर्णय लेती जिसका फायदा बनारस की जनता को होता ।

सिटी ब्लॉक वार्ड नंबर 3 के प्रत्याशी संजना देवी का बैलेट पेपर पर अपना चुनाव चिन्ह न हो होने से चुनाव आयोग से हुई खफा

प्रखर मिर्जापुर। मतों का बंडल बनाने में लापरवाही बनते जाने के कारण कई उम्मीदवारों को भारी क्षति उठानी पड़ी है। मिर्जापुर के सिटी ब्लॉक के वार्ड नंबर 3 से जिला पंचायत सदस्य पद की एक महिला उम्मीदवार संजना देवी का मतपत्र में चुनाव निशान ही नहीं था। वह महिला अपने परिजनों के साथ कलेक्टर कंट्रोल रूम में शिकायत लेकर पहुंची तो वहां किसी अफसर के ना मिलने पर वह फूट–फूट कर रोने लगी। करीब 1 घंटे बाद वह महिला रोते हुए अपने घर लौट गई आगे बताते चलें कि सिटी ब्लॉक के वार्ड नंबर 3 से जिला पंचायत सदस्य पद के लिए संजना देवी चुनाव लड़ रही थी इस वार्ड के 15 उम्मीदवारों का चुनाव चिन्ह बैलेट पेपर पर मौजूद था संजना देवी का चुनाव चिन्ह बैलेट पेपर पर नहीं मिला। दूसरे दिन संजना देवी ने चुनाव आयोग को लिखित पत्र देकर चुनाव आयोग व जिलाधिकारी को लिखित पत्र देकर मांग किया कि चुनाव को निरस्त कर पुनः चुनाव कराया जाय। ऐसा ना होने पर प्रार्थिनी मजबूर होकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी। जिसका जिम्मेदार खुद जिलाधिकारी व चुनाव आयोग होगा। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा मंडलायुक्त व मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज करवा दिया गया है।

मुक्तेश्वर नाथ मुक्ति धाम पर नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण कराया सेनिटाइज

नगर निगम द्वारा मुक्तिधाम पर निशुल्क लकड़ी की की गई है व्यवस्था

प्रखर गोरखपुर। नगर आयुक्त अविनाश सिंह अपने सहयोगी कर्मचारियों के साथ बाबा मुक्तेश्वर नाथ मुक्ति धाम (अंत्येष्टि स्थल) का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त मुख्य अभियन्ता नगर स्वास्थ्य अधिकारी प्रवर्तन दल अधिकारी अधिशासी अभियन्ता मुख्य खाद्य एवं सफाई निरीक्षक सफाई निरीक्षक तथा अवर अभियन्तागण के साथ–साथ अंत्येष्टि स्थल पर तैनात कर्मचारी मौजूद थें। नगर आयुक्त महोदय द्वारा अंत्येष्टि स्थल का गहन निरीक्षण किया गया एवं पंजीकरण आदि की व्यवस्थाओं को देखते हुए आवश्यक निर्देश भी दिये गये। इसके साथ सम्पूर्ण अंत्येष्टि स्थल एवं आस–पास विधिवत सैनिटाईजेशन का कार्य नगर आयुक्त ने अपने सामने कराया। स्थल पर तैनात कर्मचारियों को स्वयं की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए दाह संस्कार आदि कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। जैसा कि बार–बार यह शिकायत मिलती रहती है कि अंत्येष्टि स्थल पर पार्थिव शरीर का दाह संस्कार किये जाने हेतु पैसे मांग की जाती है, के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गई, तो ज्ञात हुआ कि दाह संस्कार हेतु जो लोग पूर्व से लकड़ी के दुकानदार आदि वहॉ पर लकड़ी बेचते है उनसें जिन लोगो द्वारा लकड़ी खरीदी जाती का पैसा मांगा जाता है, उनको चेतावनी दी गयी। पूर्व में पैसा लिये जाने के मामले में जो लोग भी पकड़े गये उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही किये जाने का निर्देश नगर आयुक्त द्वारा दिया गया। नगर निगम द्वारा कोविड–19 मृतको के पार्थिव शरीर की अंत्येष्टि हेतु लकड़ी सहित समस्त व्यवस्थायें निःशुल्क प्रदान की जा रही है। जनता से यह अपील है कि कोविड–19 के पार्थिव शरीर की अंत्येष्टि नगर निगम द्वारा निर्मित अंत्येष्टि स्थल पर ही करे, और नगर निगम द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे सभी सेवाओं को निःशुल्क प्राप्त करें। यह भी देखा जा रहा है कि अंत्येष्टि स्थल पर लोग सवेंदनहीन होकर फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी कर रहे जो की उचित नहीं। नगर निगम समस्त पार्थिक शरीरो की अंत्येष्टि हिन्दू रिति–रिवाजो के अनुसार करा रही है। भविष्य में यदि किसी के द्वारा अन्तयेष्टि स्थल के आस–पास फोटोग्राफी अथवा विडियोंग्राफी करते हुए पकड़े जायेगें तो उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। कृपया जनता से अपील है कि मृतक एवं उनके परिवार के लिये अपनी सवेदनायें रखे और कोई भी इस तरीके का कृत्य न करे जिससे मृतक के परिजनों को दुख पहुचें। बाबा मुक्तेश्वरनाथ मुक्तिधाम (अंत्येष्टि स्थल) पर पार्थिव शरीर के शवदाह हेतु 31 प्लेटफार्म उपलब्ध है जिसमें कवर्ड ओपेन प्लेटफार्म के साथ लकड़ी एवं गैस आधारित प्रदूषण मुक्त शवदाह सयन्त्र की व्यवस्था उपलब्ध है। अन्तयेष्टि स्थल पर शव की दाह संस्कार एवं साफ सफाई हेतु 2 पालियों में 15–15 कर्मचारियों को

पेज एक का शेष.......

कोर्ट ने चेतावनी देत हुए कहा है कि पेपर वर्क बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इन सभी सुझावों पर राज्य सरकार को अमल करना होगा। कोर्ट ने सरकार के प्लान को खारिज करते हुए नये सिरे से प्लान तैयार करने का आदेश दिया है और कहा है कि अभी तक के प्लान के भरोसे हम सुरसा के मुंह की तरह फैले पेन्डेमिक का सामना करने मे सक्षम नहीं हैं। हाईकोर्ट नए प्लान का ब्लू प्रिंट कोर्ट को देने को कहा है, जिससे इस महामारी से जंग जीती जा सके।

बाबा विश्वनाथ मंदिर परिक्षेत्र में स्थित काशी का प्राचीन अक्षयवट गिरा

विश्वनाथ मंदिर परिक्षेत्र में स्थित काशी का प्राचीन अक्षयवट गिरा, महंत ने जतायी अनिष्ट की आशंका

प्रखर वाराणसी। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में स्थित पौराणिक महत्व के वृक्ष अक्षय वट बुधवार को अचानक गिर गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विश्वनाथ धाम कॉरिडोर निर्माण कर रही पीएसपी कंपनी और मंदिर प्रशासन की लापरवाही से यह प्राचीन पेड़ गिर गया है। इसकी सूचना मिलते ही मंदिर परिसर में पुजारियों और महंतों की भीड़ लग गयी। सभी ने इसे किसी अनिष्ट के संकेत बताया और इस कृत्य पर अपना रोष जताया।पौराणिक काल से भारत में गया, प्रयागराज और काशी में वटवृक्ष है। गया में वटवृक्ष के निचे पिंडदान, प्रयागराज में वटवृक्ष के निचे सर मुंडाने और काशी में वटवृक्ष के निचे दंडी स्वामी को भोजन कराने का अपना मत्व है। स्थानीय लोगों के अनुसार मंदिर प्रशासन की लापरवाही से इस वृक्ष को गिरने से बचाया नहीं जा सका। दरअसल, प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रॉजेक्ट विश्वनाथ धाम कॉरिडोर निर्माण कार्य के दौरान दायरे में अक्षयवट हनुमान और शिव सभा मन्दिर भी आये हैं। महंत परिवार से अनुमति लेकर विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने लिखित आश्वासन के साथ इन मंदिरों में सुंदरीकरण का कार्य शुरू किया था। मंदिर के महंत बच्चा पाठक ने बताया कि शुरू में ही महंत परिवार ने अधिकारियों को अवगत कराया था कि वृक्ष और अंजनी पुत्र के विशाल विग्रह को संरक्षित और सुरक्षित रखते हुए ही कार्य किया जाए। अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि इन्हें सुरक्षित और संरक्षित किया जाएगा। पर निर्माण कर रही पीएसपी कम्पनी और मंदिर प्रशासन की लापरवाही से वृक्ष संरक्षित नहीं किया गया और बुधवार की सुबह विशाल अक्षयवट वृक्ष ढह गया। इससे मंदिर महंत परिवार में रोष व्याप्त है। महंत परिवार के अनुसार ये किसी अनिष्ट के संकेत हैं। महंत परिवार ने उक्त प्रकरण के संदर्भ में सीएम योगी आदित्यनाथ से मिलकर मामले में अपना विरोध जताने की बात कही है। उक्त संदर्भ में धर्मार्थ कार्य राज्यमंत्री डॉ नीलकंठ तिवारी को फोन करके शिकायत करने का महंत परिवार ने प्रयास किया मगर उनसे संपर्क नहीं हो सका। अक्षयवट वृक्ष की पूरे भारत वर्ष में तीन जगह पर विराजमान है। काशी, गया और प्रयाग। महंत बच्चा पाठक, नील कुमार मिश्रा और रमेश गिरी ने संयुक्त रूप से बताया कि गया में वृक्ष के नीचे पिंडदान करने का, प्रयागराज में सिर मुंडन कराने और काशी में इसी वृक्ष के नीचे डंडी स्वामी को भोजन कराने का महात्म्य है। तीनो स्थानों पर हनुमान जी तीन स्वरूप में विराजमान है। गया में बैठे है, प्रयागराज में लेटे है किले के अंदर और काशी में खड़े हनुमान जी है।

कोरोना परीक्षण कराने हेतु सोशल डिस्टेंसिंग की उड़ाई जा रही धज्जियां

प्रखर पूर्वांचल नौतनवा न्यूज महराजगंज। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संपन्न होने के बाद अब मतगणना की तैयारी है ब्लाक मुख्यालय पर मतगणना एजेन्टों के कोविड–19 परीक्षण हेतु उम्मीदवारों व समर्थकों का हुजुम उमड़ पड़ा है। इस संबंध में कोरोना महामारी के चलते जिला प्रशासन बेहद सजग है। जिसके चलते प्रत्येक सीट का प्रत्याशी अथवा एजेन्ट ही मतगणना केन्द्र में मौजूद रहेगा। इतना ही नही मतगणना स्थल में प्रवेश से पूर्व 72 घंटे पहले बना कोरोना जांच प्रमाण पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। इसके बिना किसी को भी मतगणना स्थल में प्रवेश की अनुमति नही मिलेगी। जिसके वजह से ब्लाक मुख्यालय पर लम्बी लम्बी कतारों में सोशल डिस्टेंस की धज्जियां उड़ती नजर आ रही है। इस समय कोरोना के मामले में बेहद ही संवेदनशील बना हुआ है साथ ही बता दें कि इस बार सकुशल मतगणना संपन्न कराना प्रशासन के लिए चुनौती भरा होगा। तो वहीं दूसरी तरफ कोरोना संक्रमण के दृष्टिगत मतगणना एजेंटों के कोविड– 19 संक्रमण जांच हेतु सीएससी रतनपुर पर अधिक भीड़ इकट्ठा होने और अनियंत्रित होने की वजह से नौतनवा उप जिलाधिकारी प्रमोद कुमार द्वारा निर्देशित किया गया है कि 28 ,29, 30, अप्रैल को 3–3 न्याय पंचायतों के अनुसार एजेंटों का कोरोना परीक्षण किया जाएगा ।जिसमें 28 तारीख दिन बुधवार को समय 1रू00 से न्याय पंचायत तरैनी, देवघटटी, तथा हरपुर न्याय पंचायतों के एजेंटों का कोविड–19 परीक्षण किया जाएगा और 29 अप्रैल दिन गुरुवार को बैकुंठपुर, सिरसिया खास सहित गजरही न्याय पंचायतों के एजेंटों का कोविड–19 परीक्षण किया जाएगा तथा दिनांक 30 अप्रैल दिन शुक्रवार को निर्धारित समय से न्याय पंचायत खैराटी, महुआवा एवं जारा न्याय पंचायत के एजेंटों का कोविड–19 परीक्षण किया जाएगा। तथा उपरोक्त न्याय पंचायत के अनुसार ही कोरोना वायरस का परिक्षण किया जाएगा ताकि भीड़ कम रहें और साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि बचे हुए एजेंटों का 1 मई को और मतगणना के दिन भी कोरोना का परीक्षण किया जाता रहेगा। कोविड–19 जांच व मतगणना में लगे एजेंट कार्य से भी पहले आप सब की सुरक्षा आवश्यक है और साथ ही मतगणना से संबंधित कार्य भी प्रभावित न हो और किसी कर्मचारी को परेशानी न हो। इसलिए सभी लोग मास्क लगाकर रहेंगे और 2 मीटर की दूरी बनाकर रखेंगे।

नहाते समय गंगा ने डूबे दो किशोर, एक का मिला शव

प्रखर बलिया। शहर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत विजयीपुर गंगा घाट पर मंगलवार की सुबह स्नान करते वक्त दो किशोर गंगा में डूब गए। काफी तलाश के बाद एक किशोर का शव मिला, जिसे परिवार के लोगों ने घर लेकर चले गए। वहीं दूसरे की तलाश जारी है। इस घटना से घर–परिवार ही नहीं, पूरे इलाके में कोहराम मच गया। विजयीपुर निवासी जयराम वर्मा (16) पुत्र मुन्ना वर्मा व सुजीत वर्मा (17) पुत्र राजेंद्र वर्मा मंगलवार की सुबह विजयीपुर गंगा घाट पर स्नान करने गये थे। स्नान करते वक्त गहरे पानी में चले जाने से दोनों डूब गए। इसकी खबर सुनते ही घाट पर काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। बचाव कार्य शुरू हो गया। काफी खोजबीन के बाद सुजीत वर्मा का शव मिला, वहीं जयराम वर्मा की तलाश जारी है।

बिना मुआवजा दिए डाली जा रही पाइप का किसानों ने किया विरोध

गेल कंपनी द्वारा डाली जा रही पाइप को रोककर किसानों ने जिलाधिकारी से मुआवजा दिलाने का किया मांग

प्रखर बड़ागाँव वाराणसी। स्थानीय क्षेत्र अंतर्गत हथिवार गाँव में गेल कंपनी द्वारा किसानों को बिना मुआयजा दिए उनकी खेती वाली जमीन में गैस पाइप लाइन डाला जा रहा है जिसका विरोध यहां के सभी किसानों ने एक स्वर में किया है। उस अवसर पर ग्राम प्रधान विनय कुमार सिंह हिटलर, लाल बहादुर सिंह,प्रताप नारायण सिंह, समर बहादुर सिंह, सुभाष मौर्य, पप्पू विश्वकर्मा, मखंचू विश्वकर्मा, सागर यादव, संजय यादव, भग्गू सरोज सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

व्यापार मंडल के आह्वान पर बुधवार को संपूर्ण बंदी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष श्री राकेश जैन, महामंत्री संजय जायसवाल, मंत्री राजू बाजोरिया,मीडिया प्रभारी रमेश केसरी ने सयुक्त रूप से बनारास में संपूर्ण लोकडौन का दावा किया है।अध्यक्ष श्री राकेश जैन ने कहा कि व्यपार मंडल के लाकडाउन के आह्वान को व्यापारियो ने पूर्ण समर्थन दिया है जिसके लिए काशी का व्यापारी धन्यवाद का पात्र है व्यापारी नेताओ ने कोरोना की चौन तोड़ने का दावा किया है। इस अवसर पर लंका व्यापार मंडल के महामंत्री राम भारत ओझा, विश्वनाथ गली व्यवसायी संघ के पदाधिकारी राजू बाजोरिया, रमेश केसरी,अस्सी व्यपार मंडल के कोषाध्यछ राजेश यादव, लल्लन सेठ, विश्वेश्वर गंज व्यापार मंडल के अध्यक्ष श्री संजय जायसवाल ने पूर्ण बंदी का दावा किया है । व्यापारी नेताओ ने कहा कि व्यपार मंडल ने लाकडाउन करवा कर अपना कर्तव्य पूरा किया है अब चिकित्सा और जिला प्रशासन को अपना कर्तव्य निभाना है। जिला प्रशासन ऑक्ससीजन,उचित मूल्य पर दवा,और संपूर्ण इलाज की व्ययवस्था कराये।

बी टी टी ए ने जिलाधिकारी से किया मांग वाराणसी में लगया जाये सात दिन का लॉक डाउन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसियशन प्रवक्ता शशिप्रताप सिंह व महामंत्री प्रकाश जायसवाल ने संयुक्त बयान जारी कर जिलाधिकारी से मांग किया है कि सात दिन का लॉक डाउन वाराणसी में लगया जाय ताकि कोरोना का फ्लो रुके। शशिप्रताप सिंह ने बताया कि पूर्ण लॉक डाउन से अच्छा होगा 7 दिन बन्द 7 दिन खुले इससे ब्यवसाय पर भी कम असर पड़ेगा तथा कोरोना का चेन भी टूटेगा। यह हमारे बी टी टी ए की गंभीर मांग है ।

मतदान में ड्यूटी करने जा रही महिला मतदान कर्मी की पलटी कार

प्रखर अहरौरा मिर्जापुर। थाना क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मार्ग स्थित बिल्लो कुंड लतीफपुर गेट के समीप जनपद वाराणसी की मूल निवासी शिक्षिका इंदु लता मौर्या जिनकी सोनभद्र जनपद में मतदान के लिए ड्यूटी लगी थी जो अपने पति संतोष कुमार सिंह के साथ अपनी स्वयं की कार से मतदान ड्यूटी के लिए सोनभद्र जा रही थी जैसे ही कार सवार पति पत्नी लतीफपुर गेट के समीप पहुंचे इनकी कार का बायां अगला चक्का ब्लास्ट कर गया जिस वजह से कार अनियंत्रित होकर बगल की चट्टान से टकराकर पलट गया राहगीरों की सूचना पर डायल112 व स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल पति पत्नी को कार से बाहर निकाल कर प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया दोनों पति–पत्नी को मामूली चोटे आई थी जिनका इलाज स्थानीय चिकित्सकों ने किया पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पति–पत्नी अपना इलाज करा कर अपने दूसरे साधन से चुनाव ड्यूटी के लिए रवाना हो गए।

असंगठित मजदूरों,किसानों में कोरोना से बचाव हेतु किया जा रहा मॉस्क का वितरण

प्रखर रोहनियां/ राजातालाब वाराणसी। कोरोना महामारी के कारण गरीब असहाय मजदूर तबका बेहाल व परेशान हो गया है रोज कमाने खाने वालों की पेट की आग कौन बुझाएगा सरकार लगातार कोशिशें कर रही है । लेकिन असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों एवं दिहाड़ी मजदूरों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है । स्थिति ऐसी है कि इनके पास कोरोना महामारी से बचने केलिए जो जरूरी सामग्री साबून व मॉस्क तक नही है जिससे कि ये लोग इस महामारी में अपने हांथो को लगातार साफ करते रहे तथा बाहर निकलने पर मॉस्क का उपयोग कर सके।लिहाज मनरेगा मजदूर यूनियन और आशा ट्रष्ट के तत्वाधान में यूनियन के संयोजक सुरेश राठौर के नेतृत्व में आराजी लाइन ब्लॉक के मजदूर . वंचित समाज के लोगों को मास्क का वितरण लगातार जारी है ।उक्त की जानकारी देते हुए सुरेश राठौर ने बताया कि देश जहां एक तरफ कोरोना वायरस जैसी महामारी से जूझ रहा है,लोग दवा व ऑक्सीजन के लिए यहां वहां भटक रहे है, सरकार अपने स्तर पर सभी की मदद करने का प्रयास कर रही है ऐसी स्थिति में हम सभी को एक साथ खड़े होकर देश की सेवा करनी चाहिए । उन्होंने बताया कि हमलोग ऐसे स्थानों का चयन करके मॉस्क वितरण का कार्य कर रहे है जहां अमूमन लोग मास्क लगाकर नही आते है ।जैसे सब्जी मंडी,मजदूर मंडी,इत्यादि ।उन्होंने बताया कि संगठन कपड़े से बना हुआ मॉस्क घर पर ही तैयार किया जाता है और रोजाना वितरण किया जा रहा है ।मॉस्क वितरण में मुख्य रूप से सुरेश राठौर, रेनू, श्रद्धा, रीना, निशा, पूजा प्रियंका, मुश्तफा,आदि लोगों ने सहयोग दिया।

मीरापुर बसही व्यापार मंडल का सराहनीय कार्य

बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए 1 हफ्ते का स्वतः लॉकडाउन लगाने का किया ऐलान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वाराणसी में कोरोनावायरस अपना पैर तेजी से पसार रहा है । जिसको लेकर मीरापुर बसही उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों व व्यापारियों की आनलाइन बैठक हुई। जिसमें व्यापार मंडल के अध्यक्ष मृत्युंजय सोनकर ने कहा कि साथियों वाराणसी में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण की इस महामारी में अपने कई व्यापारी साथी, सम्पर्की, रिश्तेदार इस हफ्ते हम लोगों को अलविदा कह गए जिससे मैं बुरी तरह आहत हूं और मेरे पास शब्द नहीं है कि मैं कैसे अपने साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित करुं, मेरे हिसाब से काशी को बचाने के लिए और अपने साथियों को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि इस करोना संक्रमण की चौन को तोड़ा जाए और कम से कम एक हफ्ते का स्वतरू अपने व्यापारिक क्षेत्र में लॉकडाउन लगाया जाए। संरक्षक महेश्वर सिंह भोलानाथ पटेल व राज बहादुर सोनकर ने भी कोरोना संक्रमण की चौन को तोड़ने के लिए और अपने व्यापारियों को सुरक्षित करने के लिए 1हफ्ते के लाकडाउन लगाने की प्रस्ताव को अपनी अपनी मंजूरी दिए। साथ ही सभी व्यापारी भाइयों से विनम्र अनुरोध है किए कि आप अपने प्रतिष्ठान को स्वतरू लॉकडाउन करे , अति आवश्यक सेवा के व्यापारी दुकानदार एक दुसरे से दुरी बनाए रखे, मास्क पहनकर तथा अपने दुकान को सेनिटाइज करते हुए समयानुसार व्यापार करें। ऑनलाइन बैठक में संरक्षक मंडल श्री महेश्वर सिंह, भोलानाथ पटेल राज बहादुर सोनकर, अध्यक्ष मृत्युंजय सोनकर, कोषाध्यक्ष अजय यादव ,संगठन मंत्री शेखर बाबा मीडिया प्रभारी रामजी पटेल (बबलू), उपाध्यक्ष राज कुमार सोनकर, विनोद शर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती कंचन लता मौर्य, महिला प्रभारी अनीता पटेल, व्यापारी संतोष यादव, सोनू गौड़, गप्पू शर्मा, मोहन पटेल, दीपक झा, दिनेश यादव, जितेन्द्र पांडेय, सतीश पटेल, सरोज पटेल (खुनखुन) आदि लोग शामिल थे। सभी व्यापारियों ने भी व्यापार मंडल के विचारों का समर्थन किया इसके बाद व्यापार मंडल के अध्यक्ष व संरक्षक मंडल ने

सभासद कुमार आनंद ने अपने वार्ड को कराया सेनेटाइज

प्रखर अहरौरा मिर्जापुर । कोरोना को लेकर धीरे धीरे लोग जागरूक होते नजर आने लगे है। एक तरफ जहां शासन–प्रशासन लोगों से अपने घरों में रहने की अपील कर रहा है तथा सभी गली मोहल्लों को सेनेटाइज कराने का प्रयास नगर पंचायतों–पालिकाओं द्वारा किया जा रहा है।वही अब कुछ जनप्रतिनिधि खुद भी इसे अपनी जिम्मेदारी समझने लगे है। चौक बाजार के वार्ड 24 के सभासद कुमार आनंद ने भी इसकी पहल की है। बुधवार को नगर में साप्ताहिक बंदी होने के चलते सभासद व निगरानी समिति के अध्यक्ष कुमार आनंद ने सफाई कर्मचारियों के साथ मिलकर अपने पूरे वार्ड को स्वयं सेनेटाइज किया। कुमार आनंद ने लोगो से अपील किया कि बहुत जरूरी काम हो तभी घरो से बाहर निकले वह भी मास्क पहन कर। स्थानीय लोगो ने सभासद के कार्यों की सराहना किया।सभासद ने लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक किया और सजग रहने की अपील किया। इस दौरान सफाई निरीक्षक नीतीश कुमार, मृत्युंजय, दर्शन सिंह,संदीप,सुद्दु, चंदू सहित अन्य उपस्थित रहे।

कोरोना जांच को लेकर प्रत्याशियो की लगी लम्बी कतार

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर उड़ रही सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां

कड़ी धूप में खड़े होने को मजबूर प्रत्याशी

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर कोविड–19 की जांच के लिए कतार में लगे लोगों द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं करना कहीं सभी के लिए घातक ना हो जाए। ऐसे समय में जब पूरी दुनिया मास्क एवं सोशल डिस्टेंसिंग की अपील कर रहा है।वही खुद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ही कोविड–19 के नियमों की जमकर अनदेखी करना कहां तक सही है?ऐसे में तो करोना निगेटिव लोग भी पॉजिटिव हो जाएंगे।इसकी जिम्मेवारी कौन लेगा हॉस्पिटल प्रशासन या खुद लोग? सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर खुले आसमान के नीचे चिलचिलाती धूप में प्रत्याशियों की लम्बी कतार अपने आप मे एक सोचनीय विषय है ! ज्ञात हो कि जिलाधिकारी महोदय मनीष कुमार वर्मा के द्वारा मतगणना में प्रतिनिधियों के 72 घण्टे के अंतराल का निगेटिव रिपोर्ट मांगा गया है।जब प्रतिनिधि जांच को जाएंगे तब भीड़ की क्या स्थिति रहेगी यह तो सोच कर ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं